डॉ. के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश (सचिव भारत सरकार स्तर) का दिनांक 13 दिसम्बर 2020 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की समीक्षा बैठक कार्यक्रम की कार्यवाही

दिनांक 13 दिसम्बर 2020 को कुलपति कार्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय पर डॉ के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार माननीय मुख्यमन्त्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में प्रो. अजय गुप्ता, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा नरेश त्रिखा, पूर्व निदेशक हेल्थकेयर व डेंटल फील्ड, नयी दिल्ली सम्मिलित हुए। जनपद तथा पूर्वांचल में कृषको की आय बढ़ाने हेतु डॉ. के.वी. राजू एवं प्रो. राजेश सिंह द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिये गये –

सुझाव

डॉ. के.वी. राजू

1. कृषि विज्ञान केन्द्र को बीज एवं पौध उत्पादन केंद्र एवं प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जाये जो कि गोरखपुर, महाराजगंज तथा देवरिया जिलो में किसानो के साथ तथा उनके लिए कार्य करे।
2. कृषि विज्ञान केन्द्र हर जिले में प्रथम वर्ष में 1000 किसान, उसके अगले वर्ष में तीन गुना अर्थात 3000, इसी प्रकार तीसरे वर्ष 9000 किसानो को बीज एवं पौध उत्पादन कार्य से जोड़े। इस प्रकार तीन वर्ष में तीन जिलो से 27,000 किसानो को जोड़ा जाये।
3. कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किसानो का आंकड़ा भौगोलिक सूचना प्रणाली के माध्यम से तैयार किया जाये।
4. चौक फार्म, महाराजगंज की योजना को 15 दिसम्बर, 2020 तक जमा किया जाये। यह भी निर्धारित किया जाये कि कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक किन कार्यो का निर्वहन करेगे।
5. आगे किये जाने वाले कार्यो में प्रगति लायी जाए तथा सभी केस स्टडी को 25 दिसम्बर, 2020 तक कृषि विज्ञान केन्द्र की वेबसाइट पर डाला जाए।

प्रो. राजेश सिंह, माननीय कुलपति, दी.द.उ.गो.वि.वि. गोरखपुर

1. समस्त वैज्ञानिकों को 20 दिसम्बर, 2020 तक माननीय कुलपति द्वारा दिए गये प्रारूप के अनुसार सभी परियोजनाओं को तैयार कर जमा किया जाये।
2. समस्त किसान उत्पादक संगठन में इस माह के अंत तक 250 किसानो को जोड़ा जाये जिससे जनवरी 2020 में किसान उत्पादक संगठन नाबार्ड द्वारा फंड प्राप्त करने योग्य हो सके।
3. किसान उत्पादक संगठन के गठन उपरान्त किये जाने वाले कार्य हेतु वैज्ञानिको तथा प्रो. अजय गुप्ता अकाउंटेंट के साथ मिलकर प्लान बनाये। साथ ही बैंक खाता खुलवाने हेतु फंड की व्यवस्था एवं आवश्यक कार्य किये जाये।

4. किसान उत्पादक संगठन के सभी आवश्यक कागजात एकत्र कर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में जमा किया जाये।
5. चौक फार्म एवं महाराजगंज जिला की कृषि परिस्थिति/खाका तैयार किया जाये।
6. पूर्वांचल में बीज एवं पौध उत्पादन केंद्र स्थापित करने हेतु वृहद परियोजना बनाने के लिए तीन जिलो गोरखपुर, महाराजगंज तथा देवरिया में उत्पादित की जाने वाली अनाज (धान, गेहूं), तिलहन (किन्ही दो), दलहन (किन्ही दो), सब्जी, उद्यानिकी, फूल की फसल (प्रत्येक 15 प्रकार के) तथा घास (3 प्रकार) का एक पृष्ठ का विवरण तैयार किया जाये जिसमे जिलेवार फसल का परिचय, उत्पादित छेत्रफल, उत्पादन, बीज व पौध का उत्पादन, आवश्यकता, आपूर्ति, एवं उत्पादन में अंतर तथा अंतर की पूर्ती कैसे की जाये इसका पूर्ण सांख्यिकी विवरण हो।
7. यह आंकड़ा तथा विवरण जल्द तैयार किया जाये जिससे परियोजना एक माह में तैयार की जा सके।
8. इस परियोजना हेतु पूर्वांचल के कृषि संस्थानों, वैज्ञानिको तथा अधिकारियो को चिन्हित किया जाये जोकि इस परियोजना में जुड़ कर कार्य करे साथ ही आने वाले समय में इससे लाभान्वित होने वाली कंपनी व किसानो को भी चिन्हित किया जाये जो कि परियोजना में मिलकर कार्य करे।